

* स्वयं अध्ययन *

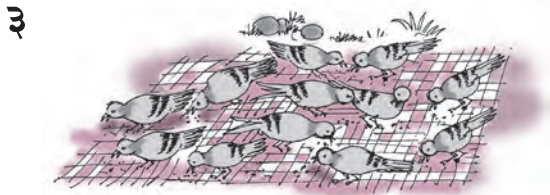
* चित्रवाचन करके अपने शब्दों में कहानी लिखो और उचित शीर्षक बताओ :



आसमान में उड़ते ढेर सारे कबूतर ।
नीचे खड़ा बहेलिया ।



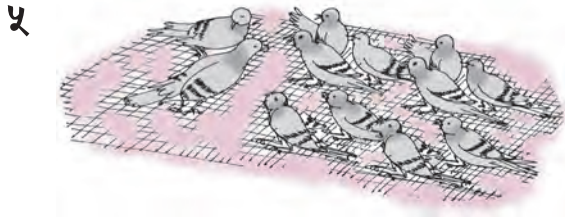
बहेलिए द्वारा जाल बिछाना, दाना बिखेरना ।



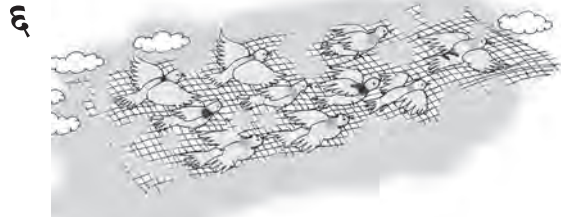
कबूतरों का दाना चुगना ।



कबूतरों का जाल में फँसना ।



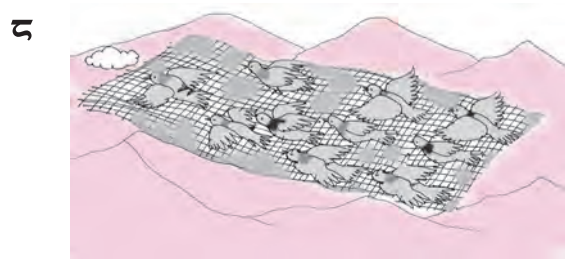
बुजुर्ग कबूतर द्वारा समझाना ।



कबूतरों का जाल समेत उड़ना ।



हक्का-बक्का, दौड़ता हुआ बहेलिया ।



दूर पहाड़ों की खाई में कबूतरों का जाल समेत उतरना ।



कबूतरों का मुक्त होकर उड़ना ।



* पुनरावर्तन- ३ *

१. अनुस्वारवाले (ं) शब्दों को सुनो, समझो और दोहराओ :

अङ्क-अंक, चञ्चल-चंचल, झण्डा-झंडा, सुन्दर-सुंदर, मुम्बई-मुंबई; टंकी, पंख, पतंग, कंघी, कंचा, पंछी, अंजीर, झंझावात, घंटी, कंठ, डंडा, पंढरपुर, संत, पंथ, बंदर, कंधा, पंप, गुंफन, कंबल, खंभा ।

२. रास्ते में घायल पक्षी को देखकर तुम्हारे मन में कौन-से भाव आते हैं, बताओ ।

३. पढ़ो, समझो और मोटे अक्षरों में लिखित शब्दों पर चर्चा करो ।

(क) मैं पाँचवीं कक्षा में पढ़ रहा हूँ ।

(ख) मृणाल ने पूछा, “उदय ! कहाँ गए थे ?” उदय ने कहा, “मैं भोपाल गया था ।”

(ग) रौनक बिल्ली की ओर लपका और वह भाग गई ।

(घ) राजू खेल रहा है । उसके साथी बैठे हैं ।

(ङ) सोहन की बिल्ली इतनी प्यारी है कि सब उसे उठा लेते हैं ।

४. उचित शब्द बनाकर लिखो :

ख आँ

र पै

न का

ठ हों

ज ग का

ट ना घु

र द बं

त र भा

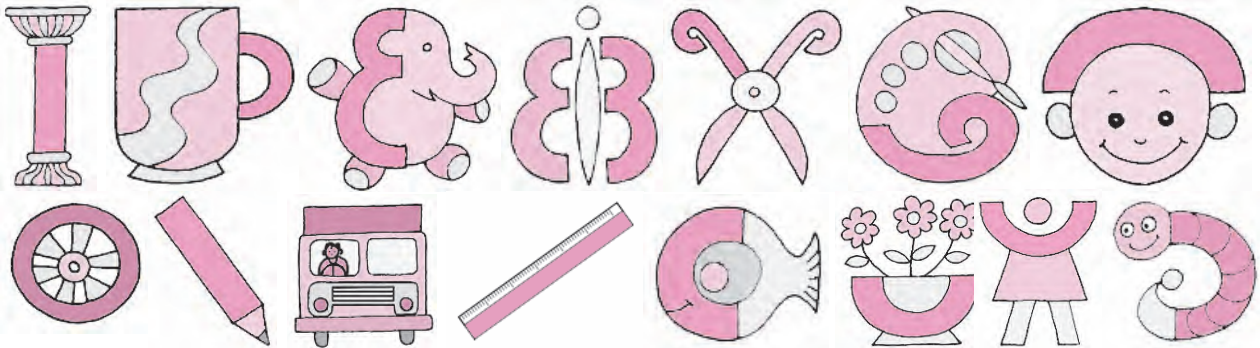
ई र पा चा

व ली दी पा

ला शा ठ पा

वा ल री फु

५. वर्ण के अवयवों का उपयोग करते हुए अपने मन से चित्र बनाओ ।



कृति/उपक्रम

विद्यालय में पहले दिन के अपने अनुभव सुनाओ ।

किसी समारोह के बारे में पाँच वाक्य बोलो ।

प्रति सप्ताह पंचतंत्र/ हितोपदेश की कहानियाँ पढ़ो ।

प्रति माह एक चित्र बनाकर उसका वर्णन दो-तीन वाक्यों में लिखो ।



* पुनरावर्तन- ४ *

१. सुनो और दोहराओ :

मैं		रहा/ रही हूँ ।
हम		रहा/ रही है ।
तू	जा	रहे हो/ रही हो ।
तुम		रहे हैं/रही हैं ।
आप		

यह		
ये		रहा है/ रही है ।
वह	जा	रहे हैं / रही हैं ।
वे		

२. तुम्हारे मित्र के पास कॉपी खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं । तुम्हारी माँ ने मेला देखने के लिए तुम्हें तीस रुपये दिए हैं, इस स्थिति में तुम्हारे मन में कौन-से भाव जगते हैं, बताओ ।

३. पढ़ो और समझो :

विद्यालय : जहाँ विद्यार्थी पढ़ते हैं ।

खेल खेलने वाला : खिलाड़ी ।

जादूगर : जादू दिखाने वाला ।

सच बोलने वाला : सत्यवादी ।

४. सिग्नल के चित्रों का वाचन करो और सिग्नल पार करते समय तुम क्या सावधानी बरतते हो, लिखो :



५. पढ़ाई करने के बाद भी तुम्हें परीक्षा से डर लग रहा है तो तुम क्या करोगे, बताओ :

(क) बड़ों से बातचीत करोगे । (ख) खेलने जाओगे । (ग) गाना सुनोगे अथवा गाओगे । (घ) आराम करोगे ।

कृति/उपक्रम

भारत की पाँच विशेषताएँ सुनाओ ।

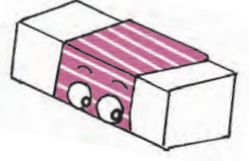
परिसर में देखे हुए वृक्षों के नाम बताओ ।

प्रतिसप्ताह पुस्तकालय में तेनालीराम की कहानियाँ पढ़ो ।

तुम्हें कौन-से खेल पसंद है और क्यों, लिखो ।



* शब्दार्थ *



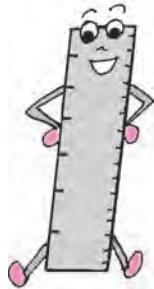
पहली इकाई

२. बूँदें : शीतल = ठंडा; पपीहा = चातक पक्षी; हरषाना = आनंदित/खुश होना;
पुरवाई = पूरब से आने वाली हवा; इठलाना = इतराना; मुसकाना = हँसना ।
३. योग्य चुनाव : इनाम = पुरस्कार ।
९. नीम : ओझा = झाड़-फूँक करनेवाला; वैद्य-हकीम = चिकित्सक ।
१०. गड़ धन : अलहड़पन = मनमौजीपन; झिझकना = संकोच करना; हताश = निराश;
निराई = खर-पतवार निकालने की क्रिया ।
११. मित्रता : बुआ जी = पिता जी की बहन, फूफी; अस्पताल = दवाखाना ।
१३. पहचान हमारी - भाग २ : गुड़हल = एक फूल; सहिजन = एक सब्जी; अंबर = आकाश ।
१४. मैं सड़क हूँ : वर्दी = गणवेश; कोलतार = डामर ।



दूसरी इकाई

२. जीवन : विश्राम = आराम; अपनत्व = अपनापन ।
३. भाई-भाई का प्रेम : भाव-विभोर होना = बहुत आनंदित होना ।
११. वीरों को प्रणाम : आजादी = स्वतंत्रता; प्राणार्पण = प्राणों का अर्पण, बलिदान;
आँखें भर आना = आँसू आना ।
१२. सपूत : बखान = वर्णन; धूम मचाना = प्रसिद्धि पाना, शोर मचाना ; बली = बलवान;
मुकाबला = प्रतियोगिता; कपूत = दुर्गुणी पुत्र; पछाड़ना = हरा देना; पीछे छोड़ देना;
चारों खाने चित होना = पराजित होना ।
१६. बचाव : पाटना = गड़ढा भरना ।



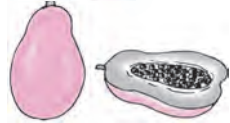
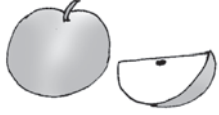


* शब्द पहेली *



* चित्रों को देखकर नीचे दी गई शब्द पहेली बूझो :

(एक अक्षर का एक से अधिक बार उपयोग कर सकते हैं ।)



से	सं	सी	ह	आ	अं	ड़
सू	ब	गु	अ	दा	फ	द
मु	के	खी	सिं	ना	ड	बे
ची	म	प	त	जी	र	क
का	कू	ता	गें	रा	ज	लि
न	गा	ला	ल	या	गं	रू
धा	ना	पी	गू	नी	स	हा

* उत्तर *

स्वयं अध्ययन - पृष्ठ २३ : १. स्पायडर मैन, २. पत्ता, पालक, पिचकारी, पीढ़ा, पुल, पूँछ, पृष्ठ, पेड़, पैसा, पोथी, पौधा, पंख, प्रातः, पाँच, पॉपकॉर्न ।

पुनरावर्तन - २, पृष्ठ क्र. २५, प्रश्न ४ : आम, पीपल, कमल, नीम, अंगूर, शमी, अशोक, गुलाब, इमली, बेल, केला, गुड़हल, नारियल ।

शब्द पहेली - पृष्ठ क्र. ५४, फूल : कमल, हरसिंगार, गुलाब, गुड़हल, डहलिया, रजनीगंधा, बेला, सूरजमुखी, सदाबहार । **फल :** केला, अमरूद, अनार, चीकू, अंगूर, सेब, पपीता, आम, अंजीर, संतरा, सीताफल, अनन्नास ।

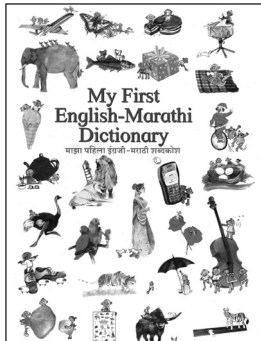
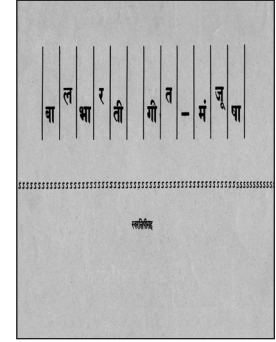
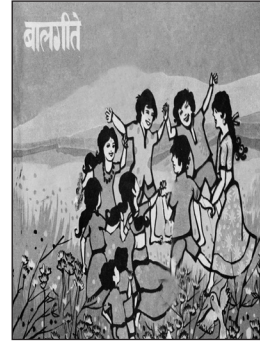
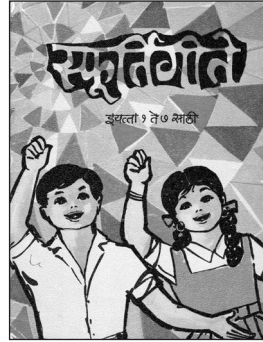
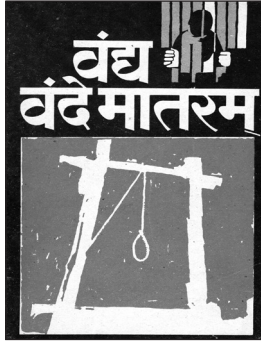
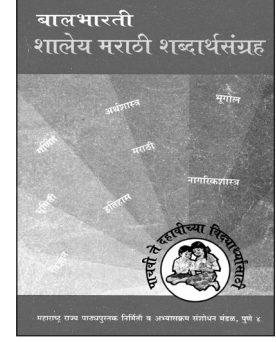
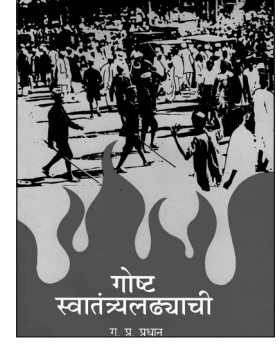
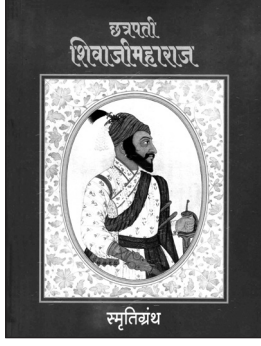
- लिखो, पढ़ो और सुनाओ :



१. वर्णमाला क्रम से सुनाओ ।



२. वर्णमाला लिखकर पढ़ो ।



- पाठ्यपुस्तक मंडळाची वैशिष्ट्यपूर्ण पाठ्येत्तर प्रकाशने.
- नामवंत लेखक, कवी, विचारवंत यांच्या साहित्याचा समावेश.
- शालेय स्तरावर पूरक वाचनासाठी उपयुक्त.



पुस्तक मागणीसाठी www.ebalbharati.in, www.balbharati.in संकेत स्थळावर भेट द्या.

साहित्य पाठ्यपुस्तक मंडळाच्या विभागीय भांडारांमध्ये विक्रीसाठी उपलब्ध आहे.



ebalbharati

विभागीय भांडारे संपर्क क्रमांक : पुणे - ☎ २५६५९४६५, कोल्हापूर- ☎ २४६८५७६, मुंबई (गोरेगाव) - ☎ २८७७९८४२, पनवेल - ☎ २७४६२६४६५, नाशिक - ☎ २३९१५११, औरंगाबाद - ☎ २३३२१७१, नागपूर - ☎ २५४७७१६/२५२३०७८, लातूर - ☎ २२०९३०, अमरावती - ☎ २५३०९६५



महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

हिंदी सुलभभारती इयत्ता पाचवी

₹ २५.००